वियोज्य *DETACHABLE*

सामान्य अध्ययन (प्रश्न-पत्र IV)

GENERAL STUDIES (Paper IV)

निर्धारित समय : तीन घण्टे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are TWELVE questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

दृष्टि The Vision

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. (a) व्यापक राष्ट्रीय शक्ति (सी.एन.पी.) के तीन मुख्य घटकों जैसे मानवीय पूंजी, मृदु शक्ति (संस्कृति और नीतियां) तथा सामाजिक सद्भाव की अभिवृद्धि में नीति-शास्त्र और मूल्यों की भूमिका का विवेचन कीजिए। (150 शब्द)

Discuss the role of ethics and values in enhancing the following three major components of Comprehensive National Power (CNP) viz. human capital, soft power (culture and policies) and social harmony. (150 words) 10

1. (b) "शिक्षा एक निषेधाज्ञा नहीं है, यह व्यक्ति के समग्र विकास और सामाजिक बदलाव के लिए एक प्रभावी और व्यापक साधन है।" उपरोक्त कथन के आलोक में नई शिक्षा नीति, 2020 (एन.इ.पी., 2020) का परीक्षण कीजिए। (150 शब्द)

"Education is not an injunction, it is an effective and pervasive tool for all round development of an individual and social transformation". Examine the New Education Policy, 2020 (NEP, 2020) in light of the above statement. (150 words) 10

2. (a) 'घृणा व्यक्ति की बुद्धिमत्ता और अन्त:करण के लिए संहारक है जो राष्ट्र के चित् को विषाक्त कर सकती है।' क्या आप इस विचार से सहमत हैं ? अपने उत्तर की तर्कसंगत व्याख्या करें। (150 शब्द)

'Hatred is destructive of a person's wisdom and conscience that can poison a nation's spirit.' Do you agree with this view ? Justify your answer. (150 words) 10

2. (b) संवेगात्मक बुद्धि के मुख्य घटक क्या हैं ? क्या उन्हें सीखा जा सकता है ? विवेचना कीजिए। (150 शब्द)

What are the main components of emotional intelligence (EI) ? Can they be learned ? Discuss. (150 words) 10

3. (a) बुद्ध की कौन सी शिक्षाऐं आज सर्वाधिक प्रासंगिक हैं और क्यों ? विवेचना कीजिए। (150 शब्द)

What teachings of Buddha are most relevant today and why ? Discuss. (150 words) 10

3. (b) 'शक्ति की इच्छा विद्यमान है, लेकिन विवेकशीलता और नैतिक कर्त्तव्य के सिद्धांतों से उसे साधित और निर्देशित किया जा सकता है।' अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए। (150 शब्द)

'The will to power exists, but it can be tamed and be guided by rationality and principles of moral duty.' Examine this statement in the context of international relations. (150 words) 10

4. (a) विधि और नियम के बीच विभेदन कीजिए। इनके सूत्रीकरण में नीति-शास्त्र की भूमिका का विवेचन कीजिए। (150 शब्द)

Distinguish between laws and rules. Discuss the role of ethics in formulating them. (150 words) 10

दृष्टि The Vision

4. (b) सकारात्मक अभिवृत्ति एक लोक सेवक की अनिवार्य विशेषता मानी जाती है जिसे प्रायः नितान्त दबाव में कार्य करना पड़ता है । एक व्यक्ति की सकारात्मक अभिवृत्ति में क्या योगदान देता है ? (150 शब्द)

A positive attitude is considered to be an essential characteristic of a civil servant who is often required to function under extreme stress. What contributes to a positive attitude in a person ? (150 words) 10

5. (a) भारत में लैंगिक असमानता के लिए कौन से मुख्य कारक उत्तरदायी हैं ? इस संदर्भ में सावित्रीबाई फूले के योगदान का विवेचन कीजिए । (150 शब्द)

What are the main factors responsible for gender inequality in India ? Discuss the contribution of Savitribai Phule in this regard. (150 words) 10

5. (b) 'सामयिक इंटरनेट विस्तारण ने सांस्कृतिक मूल्यों के एक भिन्न समूह को मनासीन किया है, जो प्रायः परम्परागत मूल्यों से संघर्षशील रहते हैं ।' विवेचना कीजिए । (150 शब्द)

'The current internet expansion has instilled a different set of cultural values which are often in conflict with traditional values.' Discuss. (150 words) 10

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है ?

What do each of the following quotations mean to you ?

6. (a) "किसी की भर्त्सना नहीं कीजिए : अगर आप मदद का हाथ आगे बढ़ा सकते हैं, तो ऐसा कीजिए । यदि नहीं तो आप हाथ जोड़िए, अपने बंधुओं को आशीर्वचन दीजिए और उन्हें अपने मार्ग पर जाने दीजिए ।" – स्वामी विवेकानंद (150 शब्द)

"Condemn none : if you can stretch out a helping hand, do so. If not, fold your hands, bless your brothers, and let them go their own way." – Swami Vivekanand (150 words) 10

6. (b) "स्वयं को खोजने का सर्वोत्तम मार्ग यह है कि अपने आप को अन्य की सेवा में खो दें ।" – महात्मा गाँधी (150 शब्द)

"The best way to find yourself is to lose yourself in the service of others." – Mahatma Gandhi (150 words) 10

6. (c) "नैतिकता की एक व्यवस्था जो कि सापेक्ष भावनात्मक मूल्यों पर आधारित है केवल एक भ्रांति है, एक अत्यंत अशिष्ट अवधारण जिसमें कुछ भी युक्तिसंगत नहीं है और न ही सत्य ।" – सुकरात (150 शब्द)

"A system of morality which is based on relative emotional values is a mere illusion, a thoroughly vulgar conception which has nothing sound in it and nothing true." – Socrates (150 words) 10

दृष्टि The Vision

खण्ड 'B' SECTION 'B'

राजेश कुमार एक वरिष्ठ लोक सेवक हैं, जिनकी ईमानदारी और स्पष्टवादिता की प्रतिष्ठा है, आजकल वित्त मंत्रालय के बजट विभाग के प्रमुख हैं। वर्तमान में उनका विभाग राज्यों को बजटीय सहायता की व्यवस्था करने में व्यस्त है, जिनमें से चार राज्यों में इसी वित्तीय वर्ष में चुनाव होने वाले हैं।

इस वर्ष के वार्षिक बजट ने राष्ट्रीय आवास योजना (एन.एच.एस.) को 8300 करोड़ रुपये आबंटित किए थे। यह समाज के कमजोर समूहों के लिए केंद्र प्रायोजित सामाजिक आवास योजना है। जून माह तक 775 करोड़ रुपये एन.एच.एस. हेतु लिए गए हैं।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए वाणिज्य मंत्रालय काफी समय से एक दक्षिणी राज्य में विशेष आर्थिक ज़ोन (एस.ई.ज़ेड) स्थापित करने की पैरवी कर रहा है। केंद्र और राज्य के मध्य दो वर्षों तक चली विस्तृत चर्चा के बाद अगस्त माह में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना की स्वीकृति प्रदान कर दी। आवश्यक भूमि प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई।

अट्ठारह माह पूर्व एक उत्तरी राज्य में क्षेत्रीय गैस ग्रिड के लिए एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई ने विशाल गैस प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की आवश्यकता बताई थी। सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई (पी.एस.यू.) के पास आवश्यक भूमि पहले से ही है। राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा व्यूहरचना में यह गैस ग्रिड एक अनिवार्य घटक है। वैश्विक बोली (ग्लोबल बिडिंग) के तीन चरणों के बाद इस योजना को एक बहुराष्ट्रीय उद्योग (एम.एन.सी.) मैसर्स एक्स वाई ज़ेड हाइड्रोकार्बन को आबंटित किया गया। दिसम्बर में इस बहुराष्ट्रीय उद्योग को भुगतान की पहली किश्त देना निर्धारित है।

इन दो विकास योजनाओं को समय से 6000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि आबंटित करने के लिए वित्त मंत्रालय को कहा गया। यह निर्णय लिया गया कि पूरी राशि एन.एच.एस. आबंटन में से पुनर्विनियोजित करने की संस्तुति की जाए। फाइल को समीक्षा और अग्रिम कार्यवाही के लिए बजट विभाग में प्रेषित कर दिया गया। फाइल का अध्ययन करने पर राजेश कुमार को यह आभास हुआ कि पुनर्विनियोजन करने से एन.एच.एस. योजना को क्रियान्वित करने में अत्यधिक विलम्ब हो सकता है, वरिष्ठ राजनेताओं के द्वारा आयोजित सभाओं में इस योजना की काफी चर्चा हुई थी। दूसरी ओर वित्त की अनुपलब्धता से एस.ई.ज़ेड. में वित्तीय क्षति होगी और अंतर्राष्ट्रीय योजना में विलम्बित भुगतान से राष्ट्रीय शर्मिंदगी भी।

राजेश कुमार ने इस प्रसंग पर अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। उन्हें बताया गया कि राजनीतिक रूप से इस संवेदनशील स्थिति पर तुरंत कार्यवाही होनी चाहिए। राजेश कुमार ने महसूस किया कि एन.एच.एस. योजना से राशि के विपथन पर सरकार के लिए संसद में कठिन प्रश्न खड़े हो सकते हैं।

इस प्रसंग के संदर्भ में निम्नलिखित का विवेचन कीजिए :

(a) कल्याणकारी योजना से विकास योजना में राशि के पुनर्विनियोजन में निहित नीतिपरक मुद्दे।

(b) सार्वजनिक राशि के उचित उपयोग की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, राजेश कुमार के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का विवेचन कीजिए। क्या पदत्याग एक योग्य विकल्प है? (250 शब्द)

Rajesh Kumar is a senior public servant, with a reputation of honesty and forthrightness, currently posted in the Finance Ministry as Head of the Budget Division. His department is presently busy in organising the budgetary support to the states, four of which are due to go to the polls within the financial year.

दृष्टि The Vision

This year's annual budget had allotted ₹8300 crores for National Housing Scheme (NHS), a centrally sponsored social housing scheme for the weaker sections of society. ₹775 crores have been drawn for NHS till June.

The Ministry of Commerce had long been pursuing a case for setting up a Special Economic Zone (SEZ) in a southern state to boost exports. After two years of detailed discussions between the centre and state, the Union Cabinet approved the project in August. Process was initiated to acquire the necessary land.

Eighteen months ago a leading Public Sector Unit (PSU) had projected the need for setting up a large natural gas processing plant in a northern state for the regional gas grid. The required land is already in possession of the PSU. The gas grid is an essential component of the national energy security strategy. After three rounds of global bidding the project was allotted to an MNC, M/s XYZ Hydrocarbons. The first tranche of payment to the MNC is scheduled to be made in December.

Finance Ministry was asked for a timely allocation of an additional ₹6000 crores for these two developmental projects. It was decided to recommend re-appropriation of this entire amount from the NHS allocation. The file was forwarded to Budget Department for their comments and further processing. On studying the case file, Rajesh Kumar realized that this re-appropriation may cause inordinate delay in the execution of NHS, a project much publicized in the rallies of senior politicians. Correspondingly, non-availability of finances would cause financial loss in the SEZ and national embarrassment due to delayed payment in an international project.

Rajesh Kumar discussed the matter with his seniors. He was conveyed that this politically sensitive situation needs to be processed immediately. Rajesh Kumar realized that diversion of funds from NHS could raise difficult questions for the government in the Parliament.

Discuss the following with reference to this case :

(a) Ethical issues involved in re-appropriation of funds from a welfare project to the developmental projects.

(b) Given the need for proper utilization of public funds, discuss the options available to Rajesh Kumar. Is resigning a worthy option ? (250 words) 20

भारत मिसाईल लिमिटेड (बी.एम.एल.) के अध्यक्ष टीवी पर एक कार्यक्रम देख रहे थे जिसमें प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत के विकास की आवश्यकता पर राष्ट्र को सम्बोधित कर रहे थे। अवचेतन रूप में उन्होंने हामी भरी और मन ही मन मुस्कुराते हुए बी.एम.एल. की विगत दो दशकों की यात्रा की मानसिक पुनर्समीक्षा की। प्रथम पीढ़ी (फर्स्ट जेनरेशन) की एण्टी-टैंक गाइडड मिसाईल (ए.टी.जी.एम.) के उत्पादन में प्रशंसनीय रूप से आगे बढ़ कर बी.एम.एल. अब अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित ए.टी.जी.एम. हथियार प्रणालियों के डिजाइन और उनका उत्पादन कर रहा था जो विश्व की किसी भी सेना के लिए ईर्ष्या का कारण होंगे। आह भरते हुए उन्होंने अपनी इस पूर्वधारणा के साथ समझौता किया कि संभवतया सरकार सैनिक हथियारों के निर्यात पर प्रतिबंध की यथास्थिति को नहीं बदलेगी।

दृष्टि The Vision

उन्हें आश्चर्य हुआ कि अगले ही दिन महानिदेशक, रक्षा मंत्रालय से बी.एम.एल. द्वारा ए.टी.जी.एम. के उत्पादन में वृद्धि करने की रीतियों पर चर्चा करने के लिए उन्हें फोन आया क्योंकि संभावना है कि एक मित्र विदेशी देश को उनका निर्यात किया जा सकता है। महानिदेशक चाहते थे कि अध्यक्ष अगले सप्ताह दिल्ली में उनके अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करें।

दो दिन बाद, एक संवाददाता सम्मेलन में, रक्षामंत्री ने कहा कि अगले पाँच वर्षों में वे वर्तमान हथियार निर्यात स्तरों को दो-गुना करने का ध्येय रखते हैं। यह देशज हथियारों के विकास और निर्माण के वित्तपोषण को प्रोत्साहन देगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी देशज हथियार निर्माता राष्ट्रों का अंतर्राष्ट्रीय हथियार व्यापार में बड़ा अच्छा रिकॉर्ड है।

बी.एम.एल. के अध्यक्ष के रूप में निम्नलिखित बिंदुओं पर आपके क्या विचार हैं :

(a) हथियार निर्यातक के रूप में भारत जैसे उत्तरदायी देश के हथियार व्यापार में नीतिपरक मुद्दे क्या हैं ?

(b) विदेशी सरकारों को हथियारों के विक्रय संबंधी निर्णय को प्रभावित करने वाले पाँच नीतिपरक कारकों को सूचीबद्ध कीजिए। (250 शब्द)

The Chairman of Bharat Missiles Ltd (BML) was watching a program on TV wherein the Prime Minister was addressing the nation on the necessity of developing a self-reliant India. He subconsciously nodded in agreement and smiled to himself as he mentally reviewed BML's journey in the past two decades. BML had admirably progressed from producing first generation anti-tank guided missiles (ATGMs) to designing and producing state of the art ATGM weapon systems that would be the envy of any army. He sighed in reconciliation with his assumptions that the government would probably not alter the status quo of a ban on export of military weaponry.

To his surprise, the very next day he got a telephone call from the Director General, Ministry of Defence, asking him to discuss the modalities of increasing BML production of ATGMs as there is a possibility of exporting the same to a friendly foreign country. The Director General wanted the Chairman to discuss the details with his staff at Delhi next week.

Two days later, at a press conference, the Defence Minister stated that he aims to double the current weapons export levels within five years. This would give an impetus to financing the development and manufacture of indigenous weapons in the country. He also stated that all indigenous arms manufacturing nations have a very good record of international arms trade.

As Chairman of BML, what are your views on the following points ?

(a) As an arms exporter of a responsible nation like India, what are the ethical issues involved in arms trade ?

(b) List five ethical factors that would influence the decision to sell arms to foreign governments. (250 words) 20

दृष्टि The Vision

रामपुरा, एक सुदूर जनजाति बहुल जिला, अत्यधिक पिछड़ेपन और दयनीय निर्धनता से ग्रसित है। कृषि स्थानीय आबादी की आजीविका का मुख्य साधन है लेकिन बहुत छोटे भूस्वामित्व के कारण यह मुख्यतया निर्वाह-खेती तक सीमित है। औद्योगिक या खनन गतिविधियाँ यहाँ नगण्य हैं। यहाँ तक कि लक्ष्यित कल्याणकारी कार्यक्रमों से भी जनजाति आबादी को अपर्याप्त लाभ हुआ है। इस प्रतिबंधित परिदृश्य में, पारिवारिक आय के अनुपूरण हेतु युवाओं को समीप स्थित राज्यों में पलायन करना पड़ रहा है। अवयस्क लड़कियों की व्यथा यह है कि श्रमिक ठेकेदार उनके माता-पिता को बहला फुसला कर उन्हें एक नज़दीक राज्य में बी.टी. कपास फार्मों में काम करने भेज देते हैं। इन अवयस्क लड़कियों की कोमल अंगुलियां कपास चुनने के लिए अधिक उपयुक्त होती हैं। इन फार्मों में रहने और काम करने की अपर्याप्त स्थितियों के कारण अवयस्क लड़कियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याऐं पैदा हो गई हैं। मूल निवास और कपास फार्मों के जिलों में स्वयंसेवी संगठन भी निष्प्रभावी लगते हैं और उन्होंने क्षेत्र के बाल श्रम और विकास की दोहरी समस्याओं हेतु कोई ठोस प्रयास नहीं किए हैं।

आप को रामपुरा का जिला कलेक्टर नियुक्त किया जाता है। यहाँ निहित नीतिपरक मुद्दों की पहचान कीजिए। अपने जिले के सम्पूर्ण आर्थिक परिदृश्य को सुधारने और अवयस्क लड़कियों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए आप क्या विशिष्ट कदम उठायेंगे? (250 शब्द)

Rampura, a remote district inhabited by a tribal population, is marked by extreme backwardness and abject poverty. Agriculture is the mainstay of the local population, though it is primarily subsistence due to the very small land holdings. There is insignificant industrial or mining activity. Even the targeted welfare programs have inadequately benefited the tribal population. In this restrictive scenario, the youth has begun to migrate to other states to supplement the family income. Plight of minor girls is that their parents are persuaded by labour contractors to send them to work in the Bt Cotton farms of a nearby state. The soft fingers of the minor girls are well suited for plucking the cotton. The inadequate living and working conditions in these farms have caused serious health issues for the minor girls. NGOs in the districts of domicile and the cotton farms appear to be compromised and have not effectively espoused the twin issues of child labour and development of the area.

You are appointed as the District Collector of Rampura. Identify the ethical issues involved. Which specific steps will you initiate to ameliorate the conditions of minor girls of your district and to improve the over-all economic scenario in the district? (250 words) 20

आप एक बड़े नगर के निगम आयुक्त हैं तथा आपकी छबि एक अत्यंत ईमानदार और कर्त्तव्यनिष्ठ अधिकारी की है। आपके नगर में एक विशाल बहुउद्देशीय मॉल निर्माणाधीन है जिसमें बड़ी संख्या में दैनिक मजदूरी पाने वाले श्रमिक कार्यरत हैं। मानसून के दौरान एक रात छत का बड़ा भाग गिर जाता है जिससे चार श्रमिकों की तात्कालिक मृत्यु हो जाती है जिनमें दो अवयस्क हैं। अनेक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तत्काल चिकित्सा सेवा की आवश्यकता थी। दुर्घटना से मचे हाहाकार ने सरकार को जाँच के आदेश देने हेतु बाध्य किया।

दृष्टि The Vision

आपकी प्रारंभिक जाँच में अनेक विसंगतियों का खुलासा हुआ। निर्माण में लाई गई सामग्री निम्न गुणवत्ता की थी। स्वीकृत निर्माण योजना में केवल एक निम्नतल की अनुमति थी लेकिन एक अतिरिक्त निम्नतल का निर्माण कर लिया गया। नगर निगम के इंस्पेक्टर द्वारा समय-समय पर किए गए निरीक्षण के दौरान इसको अनदेखा किया गया। अपनी जाँच के दौरान आपने पाया कि मास्टर प्लान में उल्लिखित हरित पट्टी एवं एक अभिगम मार्ग के प्रावधान के बाद भी मॉल के निर्माण को अनुमति प्रदान कर दी गई। मॉल के निर्माण की स्वीकृति पूर्व निगम आयुक्त के द्वारा दी गई थी जो न केवल आपके वरिष्ठ हैं और पेशेवर रूप से आपसे अच्छी तरह परिचित हैं, साथ ही आपके अच्छे मित्र भी हैं।

प्रथमदृष्ट्या, यह प्रसंग नगर निगम के अधिकारियों और निर्माणकर्ता के बीच व्यापक सांठगांठ प्रतीत होता है। आपके सहकर्मी आप पर जाँच को मंद गति से करने का दबाव डाल रहे हैं। निर्माणकर्ता, जो कि समृद्ध और प्रभावशाली है, राज्य मंत्रिमंडल के एक शक्तिशाली मंत्री का निकट का रिश्तेदार है। निर्माणकर्ता आपको बड़ी राशि देने का वादा कर के प्रसंग को रफादफा करने के लिए बहला फुसला रहा है। वो यह भी ईशारा करता है कि यदि प्रसंग उसके हित में शीघ्र निपटाया नहीं जाता है तो कार्यालय में कोई आपके विरुद्ध यौन उत्पीड़न कार्यस्थल अधिनियम (पोश एक्ट) के अंतर्गत मामला दर्ज करने का इंतज़ार कर रही है।

इस प्रसंग में निहित नीतिपरक मुद्दों का विवेचन कीजिए। इस परिस्थिति में आपके पास कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं? आप के द्वारा चयनित क्रियाविधि को स्पष्ट कीजिए। (250 शब्द)

You are a municipal commissioner of a large city, having the reputation of a very honest and upright officer. A huge multipurpose mall is under construction in your city in which a large number of daily wage earners are employed. One night, during monsoons, a big chunk of the roof collapsed causing instant death of four labourers including two minors. Many more were seriously injured requiring immediate medical attention. The mishap resulted in a big hue and cry, forcing the government to institute an enquiry.

Your preliminary enquiry has revealed a series of anomalies. The material used for the construction was of poor quality. Despite the approved building plans permitting only one basement, an additional basement has been constructed. This was overlooked during the periodic inspections by the building inspector of the municipal corporation. In your enquiry, you noticed that the construction of the mall was given the green signal despite encroaching on areas earmarked for a green belt and a slip road in the Zonal Master Plan of the city. The permission to construct the mall was accorded by the previous Municipal Commissioner who is not only your senior and well known to you professionally, but also a good friend.

Prima facie, the case appears to be of a widespread nexus between officials of the Municipal Corporation and the builders. Your colleagues are putting pressure on you to go slow in the enquiry. The builder, who is rich and influential, happens to be a close relative of a powerful minister in the state cabinet. The builder is persuading you to hush up the matter, promising you a fortune to do so. He also hinted that if this matter is not resolved at the earliest in his favour there is somebody in his office who is waiting to file a case against you under the POSH Act.

Discuss the ethical issues involved in the case. What are the options available to you in this situation ? Explain your selected course of action. (250 words) 20

परमल एक छोटा लेकिन अविकसित जिला है । यहाँ की जमीन पथरीली है जो कृषि योग्य नहीं है, यद्यपि थोड़ी जीविका कृषि ज़मीन के छोटे टुकड़ों पर की जाती है । क्षेत्र में पर्याप्त वर्षा होती है और सिंचाई की एक नहर वहाँ से बहती है । अमरिया एक मध्यम श्रेणी का शहर है जो कि इस जिले का प्रशासनिक केंद्र है । यहाँ एक बड़ा जिला अस्पताल, एक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और कुछ निजी कौशल प्रशिक्षण केंद्र हैं । एक जिला मुख्यालय की सभी सुविधाएं यहाँ उपलब्ध हैं । अमरिया से लगभग 50 कि.मी. दूर एक मुख्य रेल्वे लाईन गुजरती है । इसकी कमज़ोर संयोजकता यहाँ पर किसी भी प्रकार के बड़े उद्योग के अभाव का मुख्य कारण है । नए उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने 10 वर्षों के लिए करावकाश दे रखा है ।

वर्ष 2010 में, अनिल, एक उद्योगपति ने विभिन्न लाभों को लेने के लिए नूरा गाँव में, जो कि अमरिया से 20 कि.मी. दूर है, अमरिया प्लास्टिक वर्क्स (ए.पी.डब्ल्यू.) स्थापित करने का निर्णय लिया । जिस समय इस फैक्टरी का निर्माण हो रहा था तब अनिल ने आवश्यक मुख्य श्रमिकों को रोजगार दे कर उन्हें अमरिया के कौशल प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षित करवाया । उसके इस कृत्य से मुख्य श्रमिक ए.पी.डब्ल्यू. के प्रति बहुत वफादार हो गए ।

नूरा गाँव से ही सभी श्रमिकों को लेकर ए.पी.डब्ल्यू ने 2011 में उत्पादन प्रारम्भ किया । अपने घरों के पास ही रोजगार प्राप्त कर के गाँव वाले बहुत खुश थे और मुख्य श्रमिकों ने उन्हें उत्पादन के लक्ष्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए प्रेरित किया । ए.पी.डब्ल्यू ने बहुत लाभ कमाना प्रारम्भ किया जिसका एक बड़ा भाग नूरा गाँव में जीवन स्तर को सुधारने के लिए उपयोग में लिया गया । 2016 तक नूरा गाँव एक हरा-भरा गाँव होने का तथा गाँव के मंदिर के पुनर्निर्माण पर गर्व कर सकता था । स्थानीय विधायक से संपर्क साध कर अनिल ने अमरिया जाने के लिए गाँव से बस सेवाओं की निरंतरता भी बढ़ा दी । सरकार ने नूरा गाँव में ए.पी.डब्ल्यू. द्वारा निर्मित भवनों में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक विद्यालय भी खोल दिया । अपने सी.एस.आर. कोष का उपयोग करते हुए ए.पी.डब्ल्यू ने महिला स्वयं सहायता समूह स्थापित किए, गाँव के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के लिए उपदान प्रदान किया और अपने कर्मचारियों और गरीबों के उपयोग के लिए एक रोगी वाहन प्राप्त किया ।

2019 में ए.पी.डब्ल्यू. में एक छोटी सी आग लगी । चूंकि फैक्टरी में अग्नि शमन सुरक्षा की उपयुक्त व्यवस्था थी इसलिए आग को शीघ्र बुझा दिया गया । जाँच में पता चला कि फैक्टरी अपनी अधिकृत क्षमता से अधिक बिजली का उपयोग कर रही थी । इसे शीघ्र ही सुलझा लिया गया । अगले वर्ष, देशव्यापी लॉकडाउन के कारण उत्पादन की आवश्यकता में चार महीनों के लिए गिरावट आ गई । अनिल ने निर्णय लिया कि सभी कर्मचारियों को नियमित रूप से भुगतान किया जाएगा । उसने कर्मचारियों को वृक्षरोपण और गाँव के प्राकृतिक वास को सुधारने के लिए काम में लिया । ए.पी.डब्ल्यू. ने उच्चस्तरीय उत्पादन और अभिप्रेरित श्रमिक बल की ख्याति अर्जित की ।

ए.पी.डब्ल्यू. की कहानी का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए और अंतर्निहित नीतिपरक मुद्दों का उल्लेख कीजिए । क्या आप ए.पी.डब्ल्यू. को पिछड़े हुए क्षेत्रों के विकास के लिए आदर्श मॉडल के रूप में देखते हैं ? कारण दीजिए । (250 शब्द)

दृष्टि The Vision

Parmal is a small but underdeveloped district. It has rocky terrain that is not suitable for agriculture, though some subsistence agriculture is being done on small plots of land. The area receives adequate rainfall and has an irrigation canal flowing through it. Amria, its administrative centre, is a medium sized town. It houses a large district hospital, an Industrial Training Institute and some privately owned skill training centres. It has all the facilities of a district headquarters. A trunk railway line passes approximately 50 kilometres from Amria. Its poor connectivity is a major reason for the absence of any major industry therein. The state government offers a 10 years tax holiday as an incentive to new industry.

In 2010 Anil, an industrialist, decided to take benefits to set up Amria Plastic Works (APW) in Noora village, about 20 km from Amria. While the factory was being built, Anil hired the required key labour and got them trained at the skill training centres at Amria. This act of his made the key personnel very loyal to APW.

APW started production in 2011 with the labour drawn fully from Noora village. The villagers were very happy to get employment near their homes and were motivated by the key personnel to meet the production targets with high quality. APW started making large profits, a sizeable portion of which was used to improve the quality of life in Noora. By 2016, Noora could boast of a greener village and a renovated village temple. Anil liaised with the local MLA to increase the frequency of the bus services to Amria. The government also opened a primary health care centre and primary school at Noora in buildings constructed by APW. APW used its CSR funds to set up women's self-help groups, subsidize primary education to the village children and procure an ambulance for use by its employees and the needy.

In 2019, there was a minor fire in APW. It was quickly extinguished as fire safety protocols were in place in the factory. Investigations revealed that the factory had been using electricity in excess of its authorized capacity. This was soon rectified. The next year, due to a nationwide lockdown, the requirement of production fell for four months. Anil decided that all employees would be paid regularly. He employed them to plant trees and improve the village habitat.

APW had developed a reputation of high quality production and a motivated workforce.

Critically analyse the story of APW and state the ethical issues involved. Do you consider APW as a role model for development of backward areas ? Give reasons. (250 words) 20

नगरीय अर्थतंत्र के सहायक श्रमिक बल के रूप में मूक रह कर सेवा प्रदान करते हुए, प्रवासी श्रमिक सदैव हमारे समाज के सामाजिक-आर्थिक हाशिये पर रहे हैं। महामारी ने उन्हें राष्ट्रीय केंद्रबिंदु पर ला दिया है।

देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा से, प्रवासी श्रमिकों की एक बड़ी संख्या ने अपने रोजगार के स्थानों से अपने मूल गाँवों को लौटने का निर्णय लिया। आवागमन की अनुपलब्धता ने अपनी समस्याऐं खड़ी कर दीं। इसके अलावा अपने परिवारों की भुखमरी और असुविधा का डर भी उन्हें सता रहा था।

इनके चलते प्रवासी श्रमिकों ने अपने गाँवों को लौटने के लिए मजदूरी और आवागमन की सुविधाएँ माँगीं। उनकी मानसिक व्यथा बहु कारणों से और भी बढ़ गई जैसे आजीविका का आकस्मिक नुकसान, भोजन के अभाव की संभावना और समय पर घर नहीं पहुँच पाने से रवि की फसल की कटाई में मदद नहीं करने की असमर्थता। उनकी आशंकाएँ ऐसी खबरों से और भी बढ़ गईं जिनमें रास्ते में कुछ जिलों में रहने और खाने के अपर्याप्त प्रबन्ध के बारे में बताया गया था।

जब आपको अपने ज़िले के ज़िला आपदा मोचन बल की कार्यवाही का संचालन करने की जिम्मेदारी दी गई थी तो इस परिस्थिति से आपने अनेक सबक हासिल किए। आपके मतानुसार सामयिक प्रवासी संकट में क्या नीतिपरक मुद्दे उभर कर आए? एक नीतिपरक सेवा प्रदाता राज्य से आप क्या समझते हैं? समान परिस्थितियों में प्रवासियों की पीड़ाओं को कम करने में सभ्य समाज क्या सहायता प्रदान कर सकता है? (250 शब्द)

Migrant workers have always remained at the socio-economic margins of our society, silently serving as the instrumental labour force of urban economics. The pandemic has brought them into national focus.

On announcement of a countrywide lockdown, a very large number of migrant workers decided to move back from their places of employment to their native villages. The non-availability of transport created its own problems. Added to this was the fear of starvation and inconvenience to their families. This caused, the migrant workers to demand wages and transport facilities for returning to their villages. Their mental agony was accentuated by multiple factors such as a sudden loss of livelihood, possibility of lack of food and inability to assist in harvesting their rabi crop due to not being able to reach home in time. Reports of inadequate response of some districts in providing the essential boarding and lodging arrangements along the way multiplied their fears.

You have learnt many lessons from this situation when you were tasked to oversee the functioning of the District Disaster Relief Force in your district. In your opinion what ethical issues arose in the current migrant crisis? What do you understand by an ethical care giving state? What assistance can the civil society render to mitigate the sufferings of migrants in similar situations? (250 words) 20

URC-G-GSF